


12/3/24 पत्रावली पेस हुई वकील वारी उपर अउरगीव
की तली पुनः जरिए रजिस्ट्री ली ले जारी
होकर पत्रावली दिनांक 12/3/24 को कराए।


उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड, बाकसू (ज. 37)


25/4/24 पत्रावली पेस हुई वकील उरगी उपर।
अउरगीव को सम्मन जरिए डाक ले भेजे
एक माह ले अधिक का समय दे चुका है।
सम्मन अदम तामिल होकर प्राप्त नहीं हुए हैं।
अतः तामिल सम्पन्न मानी जाती है।

सम्पन्न तामिल के उपरान्त अउरगीव
दाखिल नहीं आए। अतः इनके किरड़े एकपक्षीय कार्यवाही
की जाती है।

प्रा.पत्रावली उरगी की वदल बुकी गयी
वदल बुने के उपरान्त हम पत्रे हैं कि उरगी एवं
अउरगी वदलतेदार हैं एवं विवादित मुनि का विधिक
विनाश नहीं हुआ है।

अतः वाद की वदलता को बनाए रखने हेतु
एवं वाद की विषय वस्तु को बनाए रखने हेतु उमयपत्रों
को अ. नं. 162/4 रुकवा 0.02 है पर भौतिक एवं
की रजिस्ट्री की अधालित बनाए रखने हेतु पावदे
किया जाता है।

पत्रावली केवल शमार होकर दर्ज
नम्बर लेकत है।


उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड, बाकसू (ज. 37)